

Padma Shri



DR. (PROF.) KAMLAKAR TRIPATHI

Dr. (Prof.) Kamlakar Tripathi is a retired Professor of Medicine from Institute of Medical Sciences, Banaras Hindu University. He is recognized for his academic excellence and service to poor people in the medical field. He is committed to serve the sick people while working as a consultant in General Medicine in Banaras Hindu University and after superannuation he continues to serve people free of cost.

2. Born on 1st July, 1951 in Village Madanpur, District Siddhartha Nagar, U.P. to Late Pandit Padmakar Tripathi and Sidheshwari Devi, Dr. (Prof.) Tripathi graduated in Medicine and Surgery from Banaras Hindu University in 1973 and received Doctoral Degree M.D. in Medicine in 1978. Subsequently, he completed his post-doctoral degree 'Doctorus Medicinus' (DM) in Nephrology in 1982 and qualified in MNAMS in Nephrology from National Board of Examination, New Delhi. He received his Nephrology Training from Post Graduate Institute of Medical Education and Research Chandigarh, Christian Medical College, Vellore and Royal Free Hospital School of Medicine London. He worked as Practicum Physician in St. Joseph Hospital, Department of Nephrology, Mc Master University Hamilton Canada in 1976. He joined Department of Medicines IMS Banaras Hindu University in 1979 as Lecturer and served as Reader and Professor till his superannuation in 2016.

3. Dr. (Prof.) Tripathi started social service from his early school days as an active member of Junior Red Cross Society in Government Jubilee College Gorakhpur. He excelled in theatre and represented Banaras Hindu University in Hindi Theatre performance in Dramatics in USA, Canada, UK and The Netherlands in 1984. He has been the Vice Dean of Indian College of Physicians and Founder Chairman of Research Society For Study of Diabetes in India for six years. He was President of UP Diabetic Association; Indian Society of Hypertension; Indian Society of Wound healing; Indian Society of Chrono Medicine; Founder fellow of Research Society for Study of Diabetes in India and President of North Zone Chapter of Indian Society of Nephrology.

4. Dr. (Prof.) Tripathi is a Guinee's Book of Record recipient for enrolling maximum number of diabetic patients on a single day in Sir Sunder Lal Hospital OPD, Banaras Hindu University in 2013. He travelled worldwide and delivered scientific lectures, chaired scientific sessions. delivered Key Note address and orations in Diabetes and Nephrology in USA, Canada, UK and many countries of the world. He has authored more than 300 research papers in indexed International and National Journals delivered more than 600 invited lectures in different institutions and professional organizations and is chief editor of International Text Book on Diabetes.

5. Dr. (Prof.) Tripathi has received International travel fellowship awards from International Society of Nephrology in Los Angeles USA in 1984 and in Tokyo, Japan in 1990. He received Gold Medal Awards in St. John Ambulance Competition in 1960-61 and 1965. He has also received fellowship from Royal College of Physicians Edinburgh and American College Physicians USA. After superannuation he is serving free in charitable organizations and doing philanthropical work to poor and sick people.

पद्म श्री



डॉ. (प्रो.) कमलाकर त्रिपाठी

डॉ. (प्रो.) कमलाकर त्रिपाठी चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से चिकित्सा के एक सेवानिवृत्त प्रोफेसर हैं। उन्हें उनके अकादमिक उत्कृष्टता और चिकित्सा के क्षेत्र में निर्धन लोगों की सेवा के लिए जाना जाता है। वे बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में सामान्य चिकित्सा में परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हुए बीमार व्यक्तियों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहे हैं और अधिवर्षिता के बाद भी उन्होंने निःशुल्क लोगों की सेवा को जारी रखा है।

2. 01 जुलाई, 1951 को स्वर्गीय पंडित पदमाकर त्रिपाठी और सिद्धेश्वरी देवी के घर गांव मदनपुर, जिला सिद्धार्थ नगर, उत्तर प्रदेश में जन्में। डॉक्टर त्रिपाठी ने वर्ष 1973 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से चिकित्सा और शल्य चिकित्सा में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और वर्ष 1978 में चिकित्सा के क्षेत्र में डॉक्टरल डिग्री एमडी की उपाधि प्राप्त की। तदुपरांत, उन्होंने वर्ष 1982 में नेफ्रोलॉजी में अपनी पोस्ट डॉक्टरल डिग्री 'डॉक्टरस मेडिसिनस' पूरी की और राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, नई दिल्ली से नेफ्रोलॉजी में एमएनएमएस में अर्हता प्राप्त की। उन्होंने अपनी नेफ्रोलॉजी का प्रशिक्षण पोस्ट ग्रेज्यूएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल ऐजुकेशन एंड रिसर्च चंडीगढ़, क्रिश्चियन चिकित्सा महाविद्यालय, वेल्लोर और रॉयल फ्री हॉस्पिटल स्कूल ऑफ मेडिसिन लंदन से प्राप्त किया। उन्होंने वर्ष 1976 में सेंट जोसफ अस्पताल, नेफ्रोलॉजी विभाग, मैक मास्टर विश्वविद्यालय हैमिल्टन कनाडा में व्यावहारिक चिकित्सक (प्रेक्टिकल फिजिशियन) के रूप में कार्य किया। उन्होंने 1979 में लेक्चरर के रूप में चिकित्सा विभाग, आईएमएस बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में पदभार ग्रहण किया और वर्ष 2016 तक उनकी अधिवर्षिता की आयु तक रीडर और प्रोफेसर के रूप में कार्य किया।

3. डॉ. (प्रो.) त्रिपाठी ने राजकीय जुबली महाविद्यालय गोरखपुर में जुनियर रेड क्रॉस सोसायटी के सक्रिय सदस्य के रूप में अपने शुरुआती विद्यालयी जीवन से ही समाज सेवा का कार्य शुरू कर दिया था। उन्होंने रंगमंच के क्षेत्र में भी काम किया और वर्ष 1984 में संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूके और नीदरलैंड में रंगमंच के क्षेत्र में हिन्दी रंगमंच के मंचन में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। वे इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन्स के वाइस डीन और छह वर्ष तक भारत में मधुमेह अध्ययन के लिए अनुसंधान सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष रहे हैं। वे यूपी मधुमेह संघ, इंडियन सोसायटी ऑफ हाइपरटेंशन; इंडियन सोसायटी ऑफ वाउंड हीलिंग; इंडियन सोसायटी ऑफ क्रोनो मेडिसिन के अध्यक्ष थे; भारत में मधुमेह अध्ययन के लिए अनुसंधान सोसायटी के संस्थापक सदस्य थे और इंडियन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के उत्तरी क्षेत्र चेप्टर के अध्यक्ष थे।

4. वर्ष 2013 में सर सुन्दर लाल अस्पताल ओपीडी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में एक ही दिन में सर्वाधिक संख्या में मधुमेह के रोगियों का नामांकन कराने के लिए डॉ. (प्रो.) त्रिपाठी का नाम गिनीज बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज है। उन्होंने दुनिया भर की यात्राएं की और वैज्ञानिक व्याख्यान दिए, वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता की। यूएसए, कनाडा, यूके समेत दुनिया भर के देशों में मधुमेह और नेफ्रोलॉजी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण व्याख्यान और भाषण दिए। उन्होंने सूचीबद्ध अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय जर्नल्स में 300 से ज्यादा अनुसंधान पेपर लिखे हैं और विभिन्न संस्थाओं तथा प्रोफेशनल संगठनों में आमंत्रण पर 600 से अधिक व्याख्यान दिए हैं और वे इंटरनेशनल टेक्स्ट बुक ऑन डायबिटीज के मुख्य संपादक हैं।

5. डॉ. (प्रो.) त्रिपाठी को वर्ष 1984 में लॉस एंजलिस यूएसए और 1990 में टोक्यो, जापान में इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी से अंतरराष्ट्रीय यात्रा फेलोशिप पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उन्हें वर्ष 1960-61 और 1965 में सेंट जॉन एम्बुलेंस कम्पिटिशन में स्वर्ण पदक पुरस्कार मिला था। उन्हें रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस एडिनबर्ग और अमेरिकन कॉलेज फिजिशियंस यूएसए से फेलोशिप भी मिला हुआ है। अधिवर्षिता के बाद वे धर्मार्थ संगठनों में निःशुल्क सेवाएं दे रहे हैं और गरीब और बीमार व्यक्तियों के लिए परोपकार के कार्य में लगे हुए हैं।